Nature and Types of Psychological Test
(मनोवैज्ञानिक परीक्षण के स्वरूप एवं प्रकार)

मनोवैज्ञानिक परीक्षण (Psychological test) एक ऐसा माननीकृत विधि (standardized procedure) है जिसके द्वारा व्यक्ति के एक या एक से अधिक मनोवैज्ञानिक गुणों का मापन गुणात्मक ढंग से या परिमाणात्मक ढंग से (quantitatively) कुछ शाब्दिक या अशाब्दिक प्रतिक्रियाओं (reactions) के माध्यम से होता है। इससे स्पष्ट हो जाता है कि मनोवैज्ञानिक परीक्षण का उद्देश्य (purpose) दो या दो से अधिक व्यक्तियों को किसी एक मनोवैज्ञानिक शीलगुण (psychological trait) पर तुलना करना होता है या फिर एक ही व्यक्ति के दो या दो से अधिक शीलगुणों का आपस में तुलना की जाती है।

विभिन्न मनोवैज्ञानिक द्वारा दिए गए परिभाषाओं का संयुक्त विश्लेषण (Joint analysis) करने पर हमें मनोवैज्ञानिक परीक्षण (psychological test) की विशेषाताओं (characteristics) के बारे में कुछ महत्त्वपूर्ण तथ्य मिलते हैं जो इस प्रकार हैं :-

(i) मनोवैज्ञानिक परीक्षण एक माननीकृत परीक्षण (standardized test) होता है जिसमें विश्वसनीयता (reliability), वैधता (validity), प्राप्तांक लेखन में वस्तुनिष्ठता (objectivity in scoring), मानक (norms) आदि गुण मूल रूप से होते हैं। यही कारण है कि बीन (Bean, 1953) ने मनोवैज्ञानिक परीक्षण को उद्दीपनों का एक संगठित अनुक्रम (organised succession) माना है।

(ii) मनोवैज्ञानिक परीक्षण द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्तियों की तुलना किसी शीलगुण या मानसिक प्रक्रिया के एक या अनेक पहलुओं पर किया जाता है।

(iii) मनोवैज्ञानिक परीक्षण द्वारा व्यक्तियों के मानसिक प्रक्रियाओं या शीलगुणों का मापन गुणात्मक (qualitatively) या परिणामात्मक (quantatievely) दोनों ही ढंग से होता है।

स्पष्ट है कि मनोवैज्ञानिक परीक्षण (psychological test) व्यक्तियों के बीच विभिन्नता अर्थात् वैयक्तिक विभिन्नता (individual difference) का गुणात्मक या परिमाणात्मक मापन का एक माननीकृत साधन (standardized tool) होता है।

मनोवैज्ञानिक परीक्षण के प्रकार (Types of Psychological Test)

मनोवैज्ञानिकों ने मनोविज्ञान में प्रयोग होने वाले परीक्षणों (test) को विभिन्न कसौटियों के आधार पर कई भागों में बाँटा है जिनका वर्णन निम्नांकित हैं :-

1. क्रियान्वयन की अवस्थाओं की कसौटी के आधार पर (On the basis of criterion of administrative conditions) :- इस कसौटी के आधार पर मनोवैज्ञानिक परीक्षण को निम्नांकित दो भागों में बाँटा गया है -

(i) वैयक्तिक परीक्षण (Individual test) तथा

(ii) समूह परीक्षण (Group test)

वैयक्तिक परीक्षण वैसे परीक्षण को कहा जाता है जिसे एक समय में एक ही व्यक्ति पर क्रियान्वयन किया जा सकता है। इस तरह का परीक्षण को प्रायः स्कूल मनोवैज्ञानिक (school psychologist) या परामर्शदाताओं (counsellors) द्वारा छोटे-छोटे बालकों को प्रेरित करने तथा उन्हें किसी प्रकार से परीक्षण परिस्थिति के प्रति

अनुक्रिया (response) करने, आदि का अध्ययन के लिए किया जाता है। कोह (Kohs) द्वारा निर्मित ब्लाक डिजाइन बुद्धि परीक्षण (Block Design Intelligence Test) वैयक्तिक परीक्षण का एक अच्छा उदाहरण है।

समूह परीक्षण (group test) वैसे परीक्षण को कहा जाता है जिसका क्रियान्वयन एक समय में सामान्यत: एक से अधिक व्यक्तियों पर यानी व्यक्तियों के समूह पर आसानी से किया जाता है। इस तरह के परीक्षण को क्रियान्वयन करने में कम प्रशिक्षित परीक्षक भी अच्छी भूमिका निभा लेते हैं। मोहन चन्द्र जोशी द्वारा निर्मित मानसिक बुद्धि परीक्षण तथा एस० जलोटा द्वारा निर्मित मानसिक बुद्धि परीक्षण, समूह परीक्षण के अच्छे उदहारण हैं।

2. प्राप्तांक-लेखन की कसौटी के आधार पर (On the basis of criterion of scoring) :- प्राप्तांक-लेखन (scoring) की कसौटी के आधार पर परीक्षण को निम्नांकित दो भागों में बाँटा गया है -

(i) वस्तुनिष्ठ परीक्षण (Objective test) तथा

(ii) आत्मनिष्ठ परीक्षण (Subjective test)

वस्तुनिष्ठ परीक्षण (objective test) वैसे परीक्षण को कहा जाता है जिनके उत्तरों को अंक देने की विधि अर्थात् प्राप्तांक-लेखन विधि (scoring method) स्पष्ट होती है और वह परीक्षकों (scorers) के आत्मगत निर्णय (subjective judgements) से बिलकुल ही प्रभावित नहीं होती है। ऐसे परीक्षणों के एकांशों के उत्तर का अंकन (scoring) में सभी परीक्षक एक ही निष्कर्ष पर पहुँचते हैं। बहु-विकल्पी एकांश (multiple-choice item), सही गलत एकांश (true-false item) तथा मिलान-एकांश (matching item) वाले परीक्षण वस्तुनिष्ठ परीक्षण (objective test) होते हैं।

आत्मनिष्ठ परीक्षण (subjective test) वैसे परीक्षण को कहा जाता है जिनके एकांशो के उत्तरों को अंक देने की विधि में परीक्षकों में काफी भिन्नता पाई जाती है। निबन्धात्मक परीक्षा (essay examination) जिसका प्रयोग शिक्षक कक्षा के उपलब्धियों (classroom achievement) की जाँच करने में अक्सर करते हैं, आत्मनिष्ठ परीक्षण का अच्छा उदाहरण हैं।

3. अनुक्रिया देने के समय सीमा की कसौटी के आधार पर (On the basis of criterion of time limit in producing response) :- परीक्षण के एकांशों के प्रति अनुक्रिया करने की समय सीमा (time limit) के आधार पर परीक्षण (test) को दो भागों में बाँटा गया है -

(i) क्षमता परीक्षण (Power test) तथा

(ii) गति परीक्षण (Speed test)

क्षमता परीक्षण (power test) वैसे परीक्षण को कहा जाता है जिसके सभी एकांशों (items) का उत्तर देने के लिए पर्याप्त समय परीक्षार्थियों को दिया जाता है। ऐसे एकांशों की कठिनता स्तर (difficulty level) भिन्न-भिन्न होती है। इस परीक्षण का उद्देश्य यह मापना होता है कि व्यक्ति को किसी वस्तु, तथ्य, घटना आदि के बारे में कितना ज्ञान है।

गति परीक्षण (speed test) वैसे परीक्षण को कहा जाता है जिसमें एक सख्त समय सीमा होती है और उसके भीतर ही व्यक्तियों को सभी एकांशों (items) का जवाब देना होता है। ऐसे परीक्षण के एकांश आसान होते हैं और उनकी कठिनता स्तर (difficulty level) लगभग समान ही होती है। ऐसे परीक्षण का मूल उद्देश्य यह परख करना

होता है कि कितनी तेजी से छात्र किसी कार्य को कर सकते हैं। DAT (Differential Aptitude Test) का clerical speed and accuracy test गति परीक्षण एक उत्तम उदाहरण है।

सही अर्थ में बहुत कम ही परीक्षण (test) पूर्णतः क्षमता परीक्षण (power test) या पूर्णतः गति परीक्षण (speed test) होते हैं। एक ही परीक्षण एक छात्र के लिए गति परीक्षण (speed test) का काम कर सकता है यदि उसके लिए प्रश्न आसान है किन्तु वही परीक्षण दूसरे छात्र के लिए जिन्हें उनके एकांश कठिन लगते हैं, क्षमता परीक्षण (power test) का काम कर सकता है।

4. एकांशों या प्रश्नों के स्वरूप की कसौटी के आधार पर (On the criterion of the nature of items or content) :- इस कसौटी के आधार पर परीक्षण को निम्नांकित चार भागों में बाँटा गया है :-

(i) शाब्दिक परीक्षण (Verbal test)

(ii) अशाब्दिक परीक्षण (Non-verbal test)

(iii) क्रियात्मक परीक्षण (Performance test)

(iv) अभाषाई परीक्षण (Non-language test)

शाब्दिक (Verbal test) वैसे परीक्षण को कहा जाता है जिसमें एकांश (items) एवं निर्देश को व्यक्ति स्वयं पढ़ता है तथा फिर उसे समझ कर उसका उत्तर देता है। ऐसे परीक्षण द्वारा उन क्षमताओं की माप होती है जिसमें पढ़ने एवं लिखने की अहमियत अधिक होती है। जलोटा सामूहिक सामान्य मानसिक क्षमता परीक्षण (Jalota Group General Intelligence Test) तथा मेहता सामूहिक बुद्धि परीक्षण (Mehta Group Test of Intelligence) इस परीक्षण के अच्छे उदहारण हैं। इसे पेंसिल-और-कागज परीक्षण (paper-and-pencil test) भी कहा जाता है क्योंकि इसमें व्यक्ति एकांशों के उत्तर को दिए गए उत्तर पत्र पर लिखता है।

अशाब्दिक परीक्षण (Non-verbal test) वैसे परीक्षण को कहा जाता है जिसमें शाब्दिक बुद्धि परीक्षण की तुलना में भाषा (language) पर कम बल डाला जाता है। ऐसे परीक्षण के निर्देश में तो भाषा का प्रयोग होता है परन्तु एकांशो में भाषा का प्रयोग नहीं होता है। प्रत्येक एकांश में चित्र के सहारे एक समस्या उत्पन्न की जाती है और उसका उत्तर व्यक्ति को दिए गए चित्रों में से ही खोजकर निकालना होता है। रैभेन प्रोग्रेसिव मैट्रिसेज (Raven's Progressive Matrices) जो एक बुद्धि परीक्षण है, अशाब्दिक परीक्षण का अच्छा उदहारण है।

क्रियात्मक परीक्षण (Performance test) वैसे परीक्षण को कहा जाता है जिसमें भाषा का प्रयोग निर्देश (instruction) देने में हो सकता है या चित्राभिनय (pantomime) तथा हाव-भाव (gesture) द्वारा निर्देश देने पर भाषा का प्रयोग नहीं भी हो सकता है। पनरतु इनके एकांश (item) में भाषा का प्रयोग बिलकुल ही नहीं होता है और व्यक्ति के सामने कुछ वस्तुएँ वास्तविक रूप से न कि चित्र के रूप में उपस्थित होती है जिसमें जोड-तोड़ करके उनका उत्तर ढूँढ निकालना होता है। प्रसिद्ध परीक्षण जैसे पास एलांग परीक्षण (pass along test), घन रचना परीक्षण (cube construction test) आदि इसके कुछ महत्त्वपूर्ण उदाहरण हैं।

अभाषाई परीक्षण (non-language test) वैसे परीक्षण को कहा जाता है जिसमें भाषा का प्रयोग न तो एकांश (item) में और ना ही निर्देश (instruction) देने में ही होता है। व्यक्ति को मात्र संकेत देकर प्रत्येक एकांश (item) के सही उत्तर को बतलाना होता है। इस तरह ऐसा परीक्षण भाषा की चंगुल से पूर्णतः मुक्त होता है। कैटल

कलवर फ्री या फेयर परीक्षण (Cattell's Culture Free of Fair Intelligence Test), इसका अच्छा उदहारण है।

5. माननीकरण की कसौटी के आधार पर (On the basis of criterion of Standardization) :- माननीकरण (standardization) की कसौटी के आधार पर परीक्षण को निम्नांकित दो भागों में बाँटा गया है -

(i) शिक्षक-निर्मित परीक्षण (Teacher-made test) तथा

(ii) माननीकृत परीक्षण (Standardized test)

शिक्षक-निर्मित परीक्षण (teacher-made test) वैसे परीक्षण को कहा जाता है जिसका प्रयोग शिक्षकों द्वारा कक्षाओं के भीतर ही छात्रों के निष्पादन की जाँच के लिए करते हैं।

माननीकृत परीक्षण (standardised test) वैसे परीक्षण को कहा जाता है जिसे परीक्षण विशेषज्ञ (test experts) अन्य शिक्षकों एवं पाठ्यक्रमों विशेषज्ञों (curriculum experts) की मदद से तैयार करते हैं। ऐसे परीक्षण के क्रियान्वयन (administration) तथा प्राप्तांक-लेखन (scoring) का तरीका निश्चित एवं वस्तुनिष्ठ (objective) होता है तथा इसका एक मानक (norms) भी होता है। इसका परिणाम यह होता है कि इस परीक्षण का प्रयोग सभी तरह के छात्रों पर आसानी से किया जा सकता है और इसके परिणामों का आपस में वैज्ञानिक तुलना कर एक निश्चित निष्कर्ष पर आसानी से पहुँचा जा सकता है।

6. उद्देश्य की कसौटी के आधार पर (On the basis of criterion of purpose or objective) :- परीक्षण के उद्देश्य (purpose) के आधार पर परीक्षण को निम्नलिखित मुख्य चार भागों में बाँटा गया है :-

(i) बुद्धि परीक्षण (Intelligence test)

(ii) अभिक्षमता परीक्षण (Aptitude test)

(iii) व्यक्तित्व परीक्षण (Personlaity test)

(iv) उपलब्धि परीक्षण (Achievement test)

बुद्धि परीक्षण वैसे परीक्षण को कहा जाता है जिसका उद्देश्य व्यक्तियों की बृद्धि को मापना होता है । बुद्धि परीक्षण शाब्दिक, अशाब्दिक, क्रियात्मक एवं अभाषाई (non-language) कुछ भी हो सकता है। अभिक्षमता परीक्षण वैसे परीक्षण को कहा जाता है जिसका उद्देश्य छात्रों की अभिक्षमता (aptitude) का मापन करना होता है। अभिक्षमता से तात्पर्य किसी विशेष क्षेत्र में व्यक्तियों की भीतर छिपा हुआ अन्तःशक्ति से होता है। Differential Aptitude Test जिसके द्वारा व्यक्तियों के सात तरह के अभिक्षमताओं (aptitude) का मापन होता है, इस तरह के परीक्षण का एक अच्छा उदाहरण है :- व्यक्तित्व परीक्षण (Personality test) वैसे परीक्षण को कहा जाता है जिसके द्वारा व्यक्तियों के शीलगुण (trait), समायोजन (adjustment), अभिरूचि (interest), मूल्य (values) आदि का मापन होता है। वेल समायोजन परीक्षण (Bell's adjustment inventory), आइजेन्क व्यक्तित्व प्रश्नावली (Eysenck personality questionnaire) इसके अच्छे उदाहरण हैं। उपलब्धि परीक्षण (achievement test) वैसे परीक्षण को कहा जाता है जिसके द्वारा किसी खास विषय या क्षेत्र में व्यक्तियों के अर्जित निपुणता (proficiency) को मापा जाता है। उपलब्धि परीक्षण भिन्न-भिन्न विषयों के लिए अलग-अलग बनाये गये हैं।